A **((Printed Pages 3)**

Roll No. _____

A-204

बी. ए. (भाग-III) परीक्षा, 2015

प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रथम प्रश्न-पत्र

(अनुवाद, दुभाषिया प्रविधि, पारिभाषिक शब्दावली)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 35**

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है तथा इसके अतिरिक्त इकाइयों में से प्रत्येक से **एक-एक** प्रश्न करना आवश्यक है।

1. (i) 'अनुवाद' शब्द का आशय स्पष्ट कीजिए। 1½×10=15

(ii) स्रोत भाषा का आशय स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'आशु अनुवाद' किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

(iv) आशु अनुवादक की विशेषताएँ लिखिए।

(v) 'दुभाषिया' के महत्त्व को रेखांकित कीजिए।

P.T.O.

(vi) पारिभाषिक शब्दावली की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

(vii) सामान्य शब्द और पारिभाषिक शब्दों का अंतर स्पष्ट कीजिए।

(viii) 'संक्षेपण 'का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ix) 'सम्पादन' एक कला है। स्पष्ट कीजिए।

(x) 'राजभाषा अधिनियम' की मुख्य बातों का उल्लेख कीजिए।

इकाई – एक

2. 'अनुवाद' प्रक्रिया के विभिन्न चरणों पर प्रकाश डालिए। 5

3. ''भावानुवाद' और अनुवाद में अंतर स्पष्ट कीजिए। 5

इकाई – दो

4. 'दुभाषिया कर्म' परकाया-प्रवेश के समान जटिल होता है।' स्पष्ट कीजिए। 5

5. आशु अनुवादक की कठिनाइयों को रेखांकित कीजिए। 5

इकाई – तीन

6. ''हिन्दी पारिभाषिकों की निर्माण व्यवस्था'' शीर्षक पर एक लेख लिखिए। 5

7. पारिभाषिक शब्दावली–निर्माण-प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए। 5

इकाई – चार

8. 'संक्षेपण' की विशिष्टताओं को रेखांकित कीजिए। 5

9. 'सम्पादन' का आशय स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 5